आपदा के बीच अवसर

आपदा के बीच अवसर

वाणी प्रकाशन

21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

फोन : 011-23273167, 23275710, फैक्स : 011-23275710

e-mail : vaniprakashan@gmail.com

Website : www.vaniprakashan.in

ISBN : 978-93-5000-556-9

संस्करण : 2011

मूल्य : 30 ₹

आज से अपना थैला

शर्मा जी रसोई में....
कुछ सामान निकाल लु पोलीथिन को बाहर फेंक देता हुं
गाय ने खा लिया कोई नहीं....
डा. साहब मेरी गाय
पालीथिन खा लेने से गाय की मौत हुई है
लो लिजिए सामान
नहीं मे पोलीथिन नही लूगा आज से मैने थैला लाना शुरू कर दिया है
किराना स्टोर
लक्ष्मी स्वामी
अजित फाउंडेशन बीकानेर

जहरीली याद
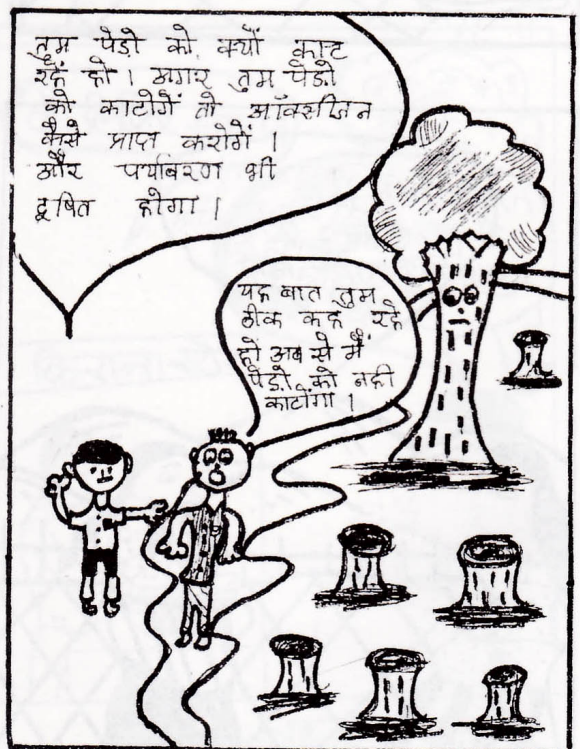
मेरी सहेली की अम्मी को गैस लगी हुई थी उन्होंने मुझे गैस काण्ड के बारे में बताया के जब गैस निकली थी तब बहुत लोगों की जान गई थी

उनके इलाज के लिए सरकार ने सरकारी हॉस्पिटल खुलवाए जिन लोगों को गैस लगी है वह आज भी बीमार रहते हैं।

गैस 3 दिसम्बर 1984 में निकली थी जब गैस निकली तब उनकी उम्र करीब 16 साल की थी।

तब उन्होंने मुझे बताया की जब से गैस निकली है तब से हमारी तबयत खराब रहती है तो उन्हें सभी लोगों ने डॉक्टर के पास जाने की सलाह दी।

बेज़ान पेड़ों की ज़ुबान

7-6-08 ALKA

अक्ल कब आएगी

Anju VII th
Chandra Arya Vidya Mandir

डालफिन की रक्षा-गंगा की सुरक्षा

ASHOK KUMAR SINGH
PARIDHI BHAGALPUR

मन्टू गया बाजार

एक दिन मन्टू के घर पर मेहमान आए हुए थे...
बेटा बाजार से कुछ सब्जियाँ लेकर आ...
ठिक है मम्मी...
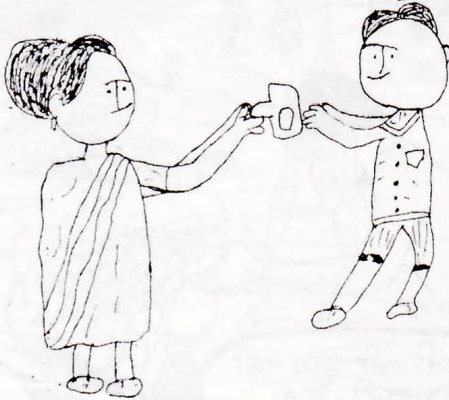
बाजार मे...
हाँ बेटा क्या चाहिए
1 kg आलू, भीडी 1 kg और बैंगन 1/2 1 kg देना...
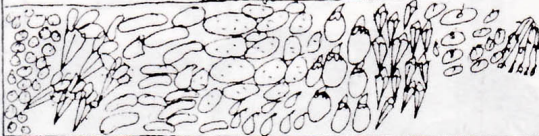
ये लो बेटा
अंकल आप मुझे पॉलिथीन मे क्यो नही देते कागज का थैला तो फट जाता है...

बेटा पॉलिथीन से पर्यावरण प्रदूषित होता हैं इसलिए सरकार ने इसे बन्द करा दिया हैं
धन्यवाद अंकल जी अब से मैं भी पॉलिथी
इस्तेमाल नही करूँगा।
Name = Ashra

गंगा

ये है. गंगा नदी पहले यह स्वच्छ और निर्मल थी. मछली भी खूब मिलती थी. गंगा वासी बहुत खुश थे।
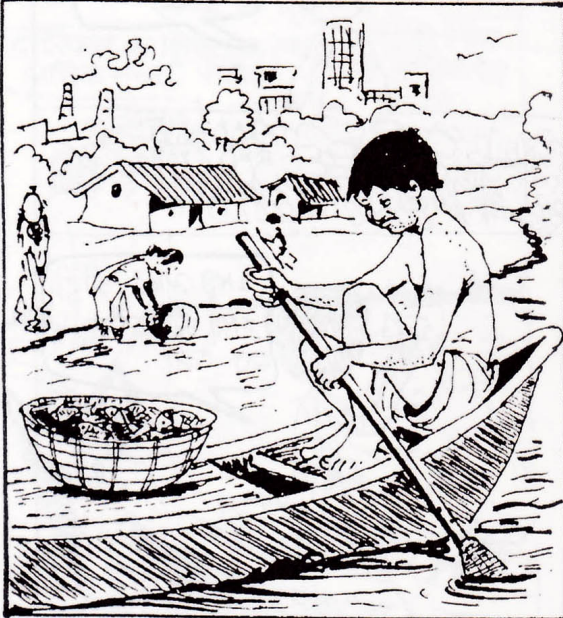
धीरे-धीरे शहरीकरण और औद्योगिकरण से गंगा के पानी को प्रदूषित हो गया।
अब पानी इतना गंदा हो गया है कि पीने से घर में सभी बिमार हो गए हैं।
मछली भी अब नहीं मिलती है।

गंगा वासी सोच में पड़ गए।
हमारी ही लापरवाही के कारण आज गंगा प्रदूषित हो गई है।
मैं भी कोशिश करूँगा कि गंगा में कपरा न डालूँ

और फिर...
गंगा को अब हम कभी प्रदूषित नहीं करेंगे और न ही कपरा डालेंगे।
हाँ. हाँ

Art By: Ismail

"मैं जीना चाहती हूँ"

दो दोस्त यमुना किनारे घूमने आते हैं...

ऊफ!! कितनी बदबू आ रही है! यहाँ नही आना चाहिये था।

अरे! यहाँ पास में एक नया MALL खुला है, वहाँ घूमते हैं!

अरे!! यहा क्यों फेंक रही हो ???

क्या फर्क पड़ता है?... यहाँ पहले से ही इतना कूड़ा है!

CHIPS

USE ME

ताहा
नयी दिल्ली

आखिर कब तक...?

Madhu Soren . JOAR (Jadugoda)

आपदा के बीच अवसर

अरे भाई विक्रम कैसे हो? स्कूल क्यों नहीं आ रहे हो?
अरे यार क्या करू बारिस के कारण हमारे घर पानी आ गया है.

हां बारिश ने तो तबाही मचा दी. इसने कई घरो पेड़ों व सड़को को अपने साथ बहा ले गई.

इतनी बारिश के बावजूद भी हमें पीने के पानी की कमी हो गई क्योंकि बारिश ने नल को भी बहा दिया.
हाँ दोस्त तुम सही कह रहे हो

महेन्द्र बारिश से हमें हानि तो हुई है। लेकीन कुछ लाभ भी हुए है जैसे हमारे पुर्वजो के बनाये नौले बारिश के कारण भर गये है. इन्हे हम साफ करके पानी लेजा सकते है।
नौला

मुसीबत को बुलावा

मनीष खंडेलवाल
अलवर (राज.)
School = Shri Oswal Jain Se. Sec. School
class = VIII [B]

ठिकाने पर घर

मंजू जोशी

जंगल उजाड़ने की सजा
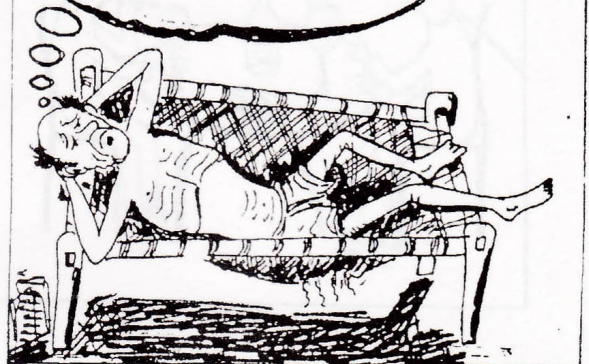
SINDHU SINGH PURI

राहत किसके लिए ?

शानू प्रसाद
(प्रवाह)

आपदा के बीच अवसर